# आदर्श प्रश्न पत्र
## ऐच्छिक विषय
## कक्षाः दसवीं

विषय : हिन्दी पूर्णांक : 50

निर्धारित अवधि : 2 घण्टे

### सामान्य निदेर्ष

1) प्रश्न पत्र तीन खण्डों में विभाजित किया गया है।

‘क’, ‘ख’ और ‘ग’ सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

2) उत्तर संक्षिप्त और क्रमिक होने चाहिए।

3) सुलेख का भी ध्यान रखें।

### (खण्ड–क)

निर्देशानुसार उत्तर लिखिए :

प्र1. निम्नलिखित में से अलंकार छंद छाँटिए : 3

क) रति सम रमणीय मूर्ति राधा की।

ख) मैया मोरी मैं नहीं माखन खायो। (अलंकार)

ग) कनक कनक ते सौ गुणी, मादकता अधिकाय,

या खाय बौराय जग, वा पाय बौराय। (छंद) 3

घ) रघुकुल रीत सदा चलि आई

प्राण जाए पर वचन न जाई।।

प्र2.क) निम्नलिखित में से किन्हीं दो मुहावरों के अर्थ लिखकर वाक्यों में प्रयोग करें: 2

क) आँख का तारा ख) लोट–पोट होना

ग) पापड़ बेलना घ) अन्धे की लकड़ी

ख) निम्नलिखित में से किन्हीं दो शब्दों का सन्धि विच्छेद कीजिए : 1

मनोबल, धर्मात्मा, वधूत्सव, निष्कलंक

ग) उपसर्ग बताइए : 1

सुकर्म, बेगाना

घ) प्रत्यय बताइए : 1

मनुष्यता, भुलक्कड़

ङ) विलोम शब्द लिखें : 1

अन्धेरा, प्रसन्न

च) समास का नाम लिखें: 1

नीलकंठ, चौराहा

## (खण्ड–ख)

प्र3. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें : 2X2 = 4

क) हिंदी हमारे देश की राष्ट्रभाषा क्यों बन गई ?

ख) ‘सपनों के से दिन’ पाठ में वर्णित घटनाओं के आधार पर पी.ट.सर की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

ग) कुल कितने 'बाँड–पात्थरों' की परंपरा आज तक चल रही है ?

प्र4. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या सरल हिन्दी में स्पष्ट करें: 4

"मैं तुमसे पाँच साल बड़ा हूँ और हमेशा रहूँगा। मुझे दुनियाँ का और ज़िंदगी का जो तजुरबा है , तुम उसकी बराबरी नहीं कर सकते, चाहे तुम एम.ए. और डी. फिल और डी. लिट क्यों न हो जाओ। समझ किताबें पढ़ने से नहीं, दुनियाँ देखने से आती है।

अथवा

साहित्य संगीत कला विहीन : साक्षात पशु–पुच्छ विषाण हीन : अर्थात् वह व्यक्ति जो साहित्य, संगीत, नृत्यादि कलाओं को नहीं जानता वह बिना सींगों तथा पूँछ के पशु है। इससे स्पष्ट है कि कला जानने वाला ही मनुष्य कहलाने का अधिकारी है। चित्रकला एक श्रेष्ठ कला है। उसको देखकर परखा जा सकता है। चित्र देखने में सरल होता है और सामान्यता हर व्यक्ति देखकर किसी सीमा तक समझ सकता है।

प्र5. निम्नलिखित पद्यांश का सरलार्थ लिखें : 4

ऐसी बाँणी बोलिए, मन का आपा खोई।

अपना तन सीतल करे, औरन को सुख होई।।

अथवा

वही है, रक्त, वही है देश, वही साहस है, वैसा ज्ञान

वही है शांति, वही है शक्ति, वही हम दिव्य आर्य–संतान।।

जिएं तो सदा उसी के लिए, यही अभिमान रहे, यह हर्ष,

निछावर कर दें हम सर्वस्व, हमारा प्यारा भारत वर्ष।

प्र6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर लिखें : 3

क) कबीर के अनुसार मनुष्य कैसे ईश्वर को प्राप्त कर सकता है ?

ख) छाया भी कब छाया को ढूंडने लगती है ?

ग) कवि ने भारत को 'हिमालय का आंगन' क्यों कहा है ?

प्र7. निम्नलिखित में से किसी एक पाठ का सार लिखें : 5

क) सपनों के से दिन ख) बड़े भाई साहब

(खण्ड–ग)

प्र8. निम्नलिखित में से किसी एक विषय पर निबन्ध लिखें : (200 शब्द) 7

क) गणतंत्र दिवस

ख) दीपावली

ग) मेरा प्रिय मित्र/लेखक

प्र9. शुल्क माफी हेतु, प्रधानाचार्य जी को पत्र लिखें। 5

अथवा

व्यायाम का महत्त्व बताते हुए अपने अनुज (छोटे भाई) को पत्र लिखें।

प्र10. संकेत के आधार पर कहानी लिखिए : 5

एक जामुन के पेड़ पर बन्दर..................................बंदर मगरमच्छ की दोस्ती.................................. रोज़ बंदर द्वारा मगरमच्छ को जामुन देना.......... .............................पत्नी की ज़िद.................................. मगरमच्छ का झूठ बोलना .................. ................. बंदर को पीठ पर ले जाना ............................. बंदर को चालाकी समझ में आ जाना।